Sixteenth Loksabha

>

Ttile: Need to provide immediate treatment to patients on the recommendation of Members of Parliament in AIIMS, New Delhi- Laid..

श्री जनार्दन सिंह सीग्रीवाल (महाराजगंज) : आज हमारे देश में आए दिन देश के लगभग हर परिवार को स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में गंभीर बीमारियो जैसे हार्ट, किडनी कैंसर इत्यादि के मरीजों की संख्या अधिक है। इन बीमारियों के इलाज हेतु देश के अंदर अन्य अनेक अस्पताल स्थापित किए गए हैं लेकिन नई दिल्ली स्थित एम्स देश के सबसे प्रसिद्ध और प्रतिष्ठित अस्पतालों में से एक है। यहां पर देश के कोने-कोने से और विदेश से भी मरीज अपना इलाज कराने के लिए आते हैं। एम्स, नई दिल्ली में मरीजों की संख्या इतनी अधिक रहती है कि गंभीर से गंभीर बीमारियों के इलाज में भी मरीजों को तत्काल उचित इलाज कराने में लंबा समय लग जाता है। अनेक मरीजों को इलाज या ऑपरेशन कराने की तिथि वर्षों-वर्षों बाद निर्धारित की जाती है जबकि उन्हें जल्द से जल्द अस्पताल में भर्ती कर इलाज या ऑपरेशन कराने की आवश्यकता होती है। इस स्थिति से मरीजों की बीमारी में सुधार की जगह और बढ़ोतरी हो जाती है। यहां तक कि अस्पताल में शीघ्र इलाज या ऑपरेशन के लिए भर्ती नहीं किए जाने के कारण अनेकों मरीजों को अपनी जान तक खोनी पड़ जाती है।

एम्स नई दिल्ली में इलाज कराने आने वाले मरीजों में विशेषकर बिहार, उत्तर प्रदेश सहित हिंदी पट्टी के प्रदेशों के मरीजों की संख्या अधिक होती है। इन प्रदेशों के मरीज अपना इलाज कराने में सहयोग के लिए अपने-अपने क्षेत्र के सांसदगणों के पास आते हैं। इन सांसदों को प्रतिदिन ऐसे मरीजों को सहयोग करने के लिए एम्स नई दिल्ली में अनुशंसा पत्र लिखना पड़ता है। सांसद के अनुशंसा पत्र पर ओपीडी कार्ड तो बन जाते हैं लेकिन मरीज की भर्ती कर बैड वगैरह नहीं दिए जाते हैं। भर्ती कर बेड नहीं दिए जाने से कई जरूरतमंद मरीजों की हालत दयनीय हो जाती है तथा बीमारी की स्थिति अत्यंत गंभीर हो जाती है।

अतः भारत सरकार और भारत सरकार के माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी से मेरा आग्रह है कि एम्स में इलाज कराने वाले मरीजों को तत्काल शीघ्र भर्ती कर इलाज ऑपरेशन कराने हेतु हम सांसदगणों के अनुशंसा पत्र पर भर्ती किए जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाए। इसके लिए एम्स में अलग से एमपी वार्ड भी बनाया जाए।